>

Title: Need to create infrastructural facilities by spending allocated money at Vijethua Mahavirandham in Sultanpur Parliamentary Constituency in Uttar Pradesh.

डॉ. संजय सिंह (सुल्तानपुर): सभापति जी, मैं सदन का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र सुलतानपुर के विकास खंड-करौंदी कला में स्थित विजेथुआ महावीरन धाम की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। विजेथुआ महावीरन धाम एक पौराणिक स्थल है तथा इस धाम के प्रति लोगों में अपार श्रद्धा एवं भक्तिभाव है। मंगलवार और शनिवार के दिन इस धाम में हजारों श्रद्धालु दर्शनार्थ आते हैं।

अत्यंत खेद का विषय है कि भारत सरकार की अमेठी-सुलतानपुर पर्यटन परिपथ योजना, वर्ष 2008-2009 के माध्यम से 171.48 लाख रुपये स्वीकृत होकर खर्च होने के बावजूद इस धाम पर श्रद्धालुओं के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

इस योजना के तहत पेयजल व्यवस्था के लिए 5 बोरिंग, 3 ओवरहेड टैंक का निर्माण होने के बावजूद पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही है।

मकरी कुंड तथा हत्याहरण कुंड में स्वच्छ पानी भरे जाने की समुचित व्यवस्था नहीं है। अत्यंत गंभीर बात यह है कि पर्यटन विभाग, उ.प्र. द्वारा उक्त धाम पर लगाये गये विभागीय बोर्ड द्वारा इस धाम के ऐतिहासिक महत्व को भी गलत दर्शाया गया है जिससे स्थानीय वासियों में रोष व्याप्त है।

इस धाम के बारे में यह बात प्रचलित है कि लक्ष्मण जी की प्राण रक्षा हेतु संजीवनी बूटी लाने के लिए हनुमान जी इसी मार्ग से जा रहे थे जिन्हें रोकने के लिए रावण ने कालनेमि नामक राक्षस को लगाया था, हनुमान जी ने इसी स्थल पर कालनेमि का वध किया और हत्याहरण कुंड में स्नान किया जबकि पर्यटन विभाग द्वारा लगाये गये बोर्ड पर दर्शाया गया है कि हनुमान जी को संजीवनी बूटी लेकर वापस आते समय कालनेमि ने रोकने का प्रयास किया और हनुमान जी ने इसी स्थान पर उसका वध किया।

मेरा सदन के माध्यम से अनुरोध है कि पर्यटन विभाग द्वारा विजेथुआ महावीरन धाम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किये जाने हेतु आवंटित धनराशि एवं उससे कराये गए विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन कराया जाये और जो भी अधिकारी और कर्मचारी ने इस सूचना को वहां गलत तरीके से पेश किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए और जो भी वहां उस पर्यटन धाम के विकास में कार्य होना है, उसके लिए प्रदेश सरकार और भारत सरकार दोनों मिलकर कार्रवाई करें।

MR. CHAIRMAN :

Shri P. L. Punia is allowed to be associated with the matter raised by Shri Dr. Sanjay Singh.